

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग 11--लण्ड 3-उप-एण्ड (i)

PART II-Section 3-Sub-section (1)

प्रतिकार से प्रकाशित PUBLISE ED BY AUTHORITY

40 16]

Amproprier - Lorantino margreto di sono.

नई विल्ली, गुत्र र, जनवरी 13, 1984/पौब 23, 1905

Parto Laboration of the Particle and Care

No. 16] NEW DELHI, FR. DAY, JANUARY 13, 1984/PAUSA 23, 1905

इस भाग में भिन्न पृथ्ठ संस्था जाती है जिससे कि यह अलग संकलन की इस्य में रहा जा भको

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate complation

नौबहन और परिवहन मंत्रालय

(पसन पका)

आबेश

नहें दिल्ली, 13 जनवरी, 1984

सा. का. नि. 34(अ). —केन्द्रीय सरकार भारतीय पत्तम अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 34 द्वारा प्रदल्त कवितयों का प्रयोग करतें हुए भारत के महापरानों के लिए उक्त अधिनियम की धारा 36 के अधीन भियुक्त किए गए संबंधित प्राधिक कारियों से परामर्श करने के पश्चात् दृष्टिल डायगेमिक्स इंक और दृष्टि विनस लिगिटेड के बीच सहयोग से आयोजित समुद्रीयात्रा के लिए इस आदेश के शासकीय

rin i di santa mangalangan di kalangan angan angan

राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 31 गार्च, 1984 तक भारत में महापत्लनी पर उक्त अधिनियम की धारा 33 और 35 के अधीन पत्तन की बकाया राशि, पायलटेज और अन्य शुरूक पर 50 प्रतिशत की छूट देती है।

[फाईल सं. पी. इंब्ल्यू/पी. जी बार/6/83] प्रिमेश कुमार जैन, संयुक्त सणिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (Ports Wing) ORDER

New Delhi, the 13th January, 1984

G.S.R. 34(E).—In exercise of the powers conferred by section 34 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government, after consulting the respective authorities appointed under section 36 of the said Act for the major ports in India, hereby grants the cruises being organised in collaboration between the Travel Dynamics Inc. and the Trade Wings Ltd., a concession of 50% of the port dues, pilotage and other fees leviable sections 33 and 35 of that Act at the Major Ports in India from the date of publication of this order in the Official Gazette till the 31st March, 1984.

[File No. PW|PGR|6|83] D. K. JAIN, Jt. Secy.